This question paper contains 8+3 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

848

B.A. (Programme)/II/III **D**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिंदी भाषा (क)—प्रश्न-पत्र II

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात्—नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं । तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं । किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) पागल रे ! वह मिलता है कब

उसको तो देते ही हैं सब

आँसू के कन-कन से गिनकर

यह विश्व लिए है ऋण उधार,

तू क्यों फिर उठता है पुकार ?

तुझको न मिला रे कभी प्यार !

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत काव्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए ।

(*ii*) उपर्युक्त पद्यांश में 'आँसू' किसका प्रतीक है ?

(*iii*) 'विश्व लिए है ऋण उधार' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(*iv*) कविता में अभिव्यक्त प्रेम के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

(ख) जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है । वह यह कि बाजार जाओ तो मन खाली न हो । मन खाली हो, तब बाजार न जाओ । कहते हैं लू में जाना

हो तो पानी पीकर जाना चाहिए । पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है । मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा । तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनन्द ही देगा । तब बाज़ार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे । बाज़ार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना ।

प्रश्न :

(*i*) इस गद्यांश की रचना एवं रचनाकार का नाम लिखिए ।

(*ii*) लेखक ने जादू की जकड़ से बचने का क्या उपाय सुझाया है ?

(*iii*) 'मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ !' से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(*iv*) बाज़ार की सार्थकता किसमें है ?

(ग) उसने तो अपने किए का फल पा लिया, पर मैं समस्या का समाधान नहीं पा सकी । इस बार की असफलता ने तो बस मुझे रुला ही दिया । अब तो इतनी हिम्मत भी नहीं रही कि एक बार फिर मध्यम वर्ग में अपना नेता उत्पन्न करके फिर से प्रयास करती । इन दो हत्याओं के भार से ही मेरी गर्दन टूटी जा रही थी, और हत्या का पाप ढोने की न इच्छा थी, न शक्ति ही । और अपने सारे अहं को तिलांजलि देकर बहुत ही ईमानदारी से मैं कहती हूँ कि मेरा रोम-रोम महसूस कर रहा था कि कवि भरी सभा में शान के साथ जो नहला फटकार गया था, उस पर इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी ।

प्रश्न :

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके रचनाकार का नाम लिखिए ।

(*ii*) पाठ के आधार पर बताइए कि दो हत्या किसने और क्यों की ?

(*iii*) लेखिका किस समस्या का समाधान पाने में असफल रहीं ?

(*iv*) 'इक्का तो क्या, मैं दुग्गी भी न मार सकी' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9

(*i*) बंगाल के भीषण अकाल से उत्पन्न मानवीय त्रासदी एवं संघर्ष-गाथा का वर्णन कीजिए ।

(तूफ़ान के विजेता)

(*ii*) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के लिए लेखक किन पक्षों को महत्त्वपूर्ण मानता है ?

(सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द)

(*iii*) 'अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा' को लेखक इलाहाबाद की खोज का प्रयास क्यों कहता है ?

(अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा)

(*iv*) 'मनु' कहानी रूढ़िवादी मनोवृत्ति पर आघात करती है । व्याख्या कीजिए ।

(मनु)

(*v*) 'उत्तराधिकार का अर्थ पुत्राधिकार हो गया है ।' इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने भारतीय समाज तथा कानून की किन विषमताओं की ओर इशारा किया है ?

(उत्तराधिकार या पुत्राधिकार)

3. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) खड़ी बोली का सामान्य परिचय 4

(*ii*) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी 4

(*iii*) मानक लिपि की विशेषताएँ 4

(*iv*) राजभाषा हिंदी । 4

4. अपठित गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6.

भारत को यदि एक देश बनना है, तो यह जरूरी है कि हम सब एक ही अवचेतन विश्व के नागरिक बनें और देर रात जो सपने हम देखें, वे कमोबेश समान हों । जब तक सिंहासन के सवाल नहीं थे, तब तक यह समरूपता जरूर रही होगी । भारत के विविध पंथों के लोग जब भक्त, कवि, पीर, वैज्ञानिक, मूर्तिकार या शिल्पी बनते होंगे, तब वे क्या एक ही अवचेतन महासागर के विविध जलों से प्रेरणा नहीं पाते होंगे ? भारत में कविता लिखते समय क्या कबीर, खुसरो या रहीम भारत के कविता-विश्व के आनन्द से कटना चाह सकते थे ? केरल में जो लोग हजार साल से ईसाई हैं, वे क्या उससे कटे हैं ? उससे जुड़कर क्या वे कुछ घटिया ईसाई हो गए हैं ? फिलिपीन के रोमन कैथलिक यदि फिलिपीन की स्थानीयता से जुड़े हैं और जापान के बौद्धों

ने यदि गौतम बुद्ध का जापानीकरण कर दिया है, तो क्या वे कम ईसाई या कम बौद्ध हो जाते हैं ?

प्रश्न :

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए ।

(*ii*) लेखक ने केरल के ईसाइयों की किस विशेषता का उल्लेख किया है ?

(*iii*) प्रस्तुत अनुच्छेद के आधार पर देश बनने की प्रक्रिया क्या है ?

5. हिंदी में अनुवाद कीजिए : 6

Newspaper reading has become an essential part of our life. As we get up in the morning, we wait eagerly for the daily paper. Twentieth century is an age of newspapers: Press is the third eye of man. Through it we gather information about different countries (part) of the world. It provides us

with the latest news. The newspapers carry the voice of the people. They are a link between the state and the people. Through the press we can condemn all kinds of evils. Newspaper add to our knowledge. We should cultivate the habit of reading newspapers.

6. निम्नलिखित कथांश का नाट्य-रूपांतरण कीजिए : 6

"गला सूख रहा है, साथी छूट गए हैं, अश्व गिर पड़ा है – इतना थका हुआ हूँ – इतना !" – कहते-कहते वह व्यक्ति धम्म से बैठ गया और उसके सामने ब्रह्माण्ड घूमने लगा । स्त्री ने सोचा, यह विपत्ति कहाँ से आई ! उसने जल दिया, मुगल के प्राणों की रक्षा हुई । वह सोचने लगी – "ये सब विधर्मी दया के पात्र नहीं – मेरे पिता का वध करने वाला आततायी !" घृणा से उसका मन विरक्त हो गया ।

स्वस्थ होकर मुगल ने कहा – "माता ! तो फिर मैं चला जाऊँ ?"

स्त्री विचार कर रही थी – "मैं ब्राह्मणी हूँ, मुझे तो अपने धर्म-अतिथिदेव की उपासना का पालन करना चाहिए । परन्तु यहाँ ..... नहीं-नहीं, ये सब विधर्मी दया के पात्र नहीं । परन्तु यह दया तो नहीं ..... कर्त्तव्य करना है । तब ? मुगल अपनी तलवार टेककर उठ खड़ा हुआ । ममता ने कहा – "क्या आश्चर्य है कि तुम भी छल न करो, ठहरो ।"

"छल ! नहीं, तब नहीं – स्त्री ! तैमूर का वंशधर स्त्री से छल करेगा ? जाता हूँ । भाग्य का खेल है ।"

7. (क) शब्द-शक्ति को परिभाषित करते हुए उसके भेदों का परिचय दीजिए । 4

(ख) 'पग-पग पर चौराहे मिलते हैं' – लाक्षणिक अर्थ को स्पष्ट कीजिए । 4

(ग) 'जहँ-जहँ पैर पड़ें सन्तन के, तहँ-तहँ बँटाढार' – निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए । 4

8. (क) कोश की उपयोगिता बताते हुए एकभाषी कोश की सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 4

(ख) हिंदी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

कक्षा, चंचल, समाज, झंडा, उज्ज्वल, शैशव, भ्रामक, अवनी ।